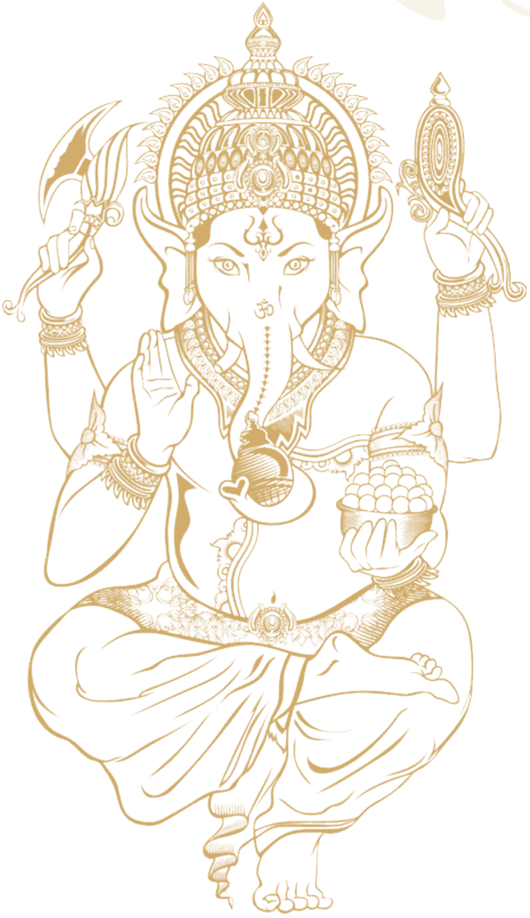

Shivanshu pandey

03 Jan 2012

12:30 PM

Kodarma

Model: web-freekundliweb

Order No: 121590802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/01/2012**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**12:30:00 घंटे**
इष्ट	14:54:32 घटी
स्थान	**Kodarma**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	24:28:00 उत्तर
रेखांश	85:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:12:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:42:24 घंटे
वेलान्तर	-00:04:08 घंटे
साम्पातिक काल	19:31:40 घंटे
सूर्योदय	06:32:11 घंटे
सूर्यास्त	17:11:36 घंटे
दिनमान	10:39:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	18:15:52 धनु
लग्न के अंश	06:21:50 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सिद्ध
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	06:21:50	456:50:17	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	---
सूर्य			धनु	18:15:52	01:01:09	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	10:16:26	11:49:40	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			सिंह	26:36:56	00:13:19	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	28:55:10	01:22:47	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु			मेष	06:27:26	00:01:45	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मक	22:36:13	01:13:32	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि			तुला	04:24:00	00:03:34	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
राहु			वृश्चि	19:58:46	00:01:41	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			वृष	19:58:46	00:01:41	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	सम राशि
हर्ष			मीन	06:51:31	00:01:13	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
नेप			कुंभ	04:55:23	00:01:42	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
प्लूटो			धनु	13:22:33	00:02:08	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	27:10:31	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	--

व - वक्री   स - स्थिर
अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:46

लग्न-चलित

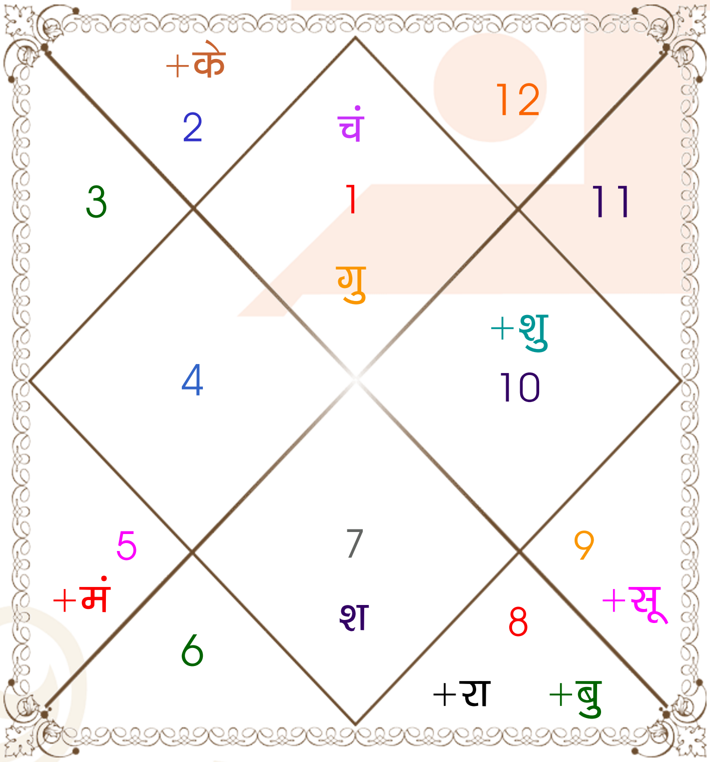

चन्द्र कुंडली

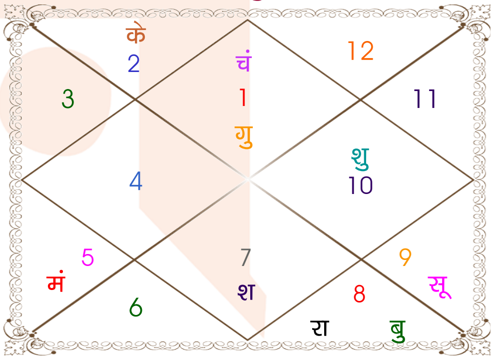

नवमांश कुंडली

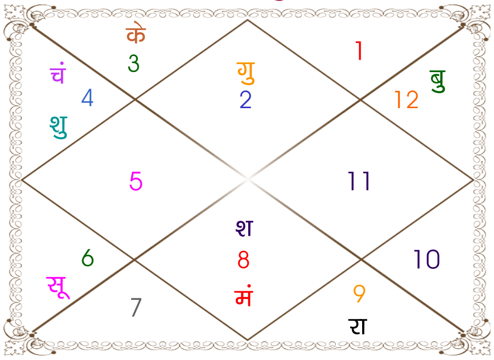

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 7 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/01/2012		12/08/2013		12/08/2033		12/08/2039		12/08/2049	
12/08/2013		12/08/2033		12/08/2039		12/08/2049		11/08/2056	
	00/00/0000	शुक्र	11/12/2016	सूर्य	29/11/2033	चंद्र	12/06/2040	मंगल	08/01/2050
	00/00/0000	सूर्य	11/12/2017	चंद्र	31/05/2034	मंगल	11/01/2041	राहु	26/01/2051
	00/00/0000	चंद्र	12/08/2019	मंगल	06/10/2034	राहु	12/07/2042	गुरु	02/01/2052
	00/00/0000	मंगल	11/10/2020	राहु	30/08/2035	गुरु	11/11/2043	शनि	10/02/2053
	00/00/0000	राहु	12/10/2023	गुरु	18/06/2036	शनि	12/06/2045	बुध	07/02/2054
	00/00/0000	गुरु	12/06/2026	शनि	31/05/2037	बुध	11/11/2046	केतु	06/07/2054
	03/01/2012	शनि	12/08/2029	बुध	06/04/2038	केतु	12/06/2047	शुक्र	06/09/2055
शनि	14/08/2012	बुध	12/06/2032	केतु	12/08/2038	शुक्र	10/02/2049	सूर्य	11/01/2056
बुध	12/08/2013	केतु	12/08/2033	शुक्र	12/08/2039	सूर्य	12/08/2049	चंद्र	11/08/2056

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/08/2056		12/08/2074		12/08/2090		13/08/2109		13/08/2126	
12/08/2074		12/08/2090		13/08/2109		13/08/2126		00/00/0000	
राहु	25/04/2059	गुरु	29/09/2076	शनि	15/08/2093	बुध	09/01/2112	केतु	09/01/2127
गुरु	17/09/2061	शनि	12/04/2079	बुध	24/04/2096	केतु	06/01/2113	शुक्र	10/03/2128
शनि	24/07/2064	बुध	18/07/2081	केतु	03/06/2097	शुक्र	06/11/2115	सूर्य	16/07/2128
बुध	11/02/2067	केतु	24/06/2082	शुक्र	03/08/2100	सूर्य	12/09/2116	चंद्र	14/02/2129
केतु	29/02/2068	शुक्र	22/02/2085	सूर्य	16/07/2101	चंद्र	11/02/2118	मंगल	13/07/2129
शुक्र	01/03/2071	सूर्य	11/12/2085	चंद्र	15/02/2103	मंगल	08/02/2119	राहु	01/08/2130
सूर्य	24/01/2072	चंद्र	12/04/2087	मंगल	25/03/2104	राहु	28/08/2121	गुरु	08/07/2131
चंद्र	24/07/2073	मंगल	18/03/2088	राहु	30/01/2107	गुरु	04/12/2123	शनि	04/01/2132
मंगल	12/08/2074	राहु	12/08/2090	गुरु	13/08/2109	शनि	13/08/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 7 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रुख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।